UGC NET Paper=2.... Sanskrit

Filler Form

YouTube

🎯JRF का जलवा 🔥🏆

दर्शन - साहित्य का विशिष्ट अध्ययन

UNIT=4

Daily = 6 pm

Class-30

By=NIDHU CHAUDHARY

B.A., M.A., P.G.D.C.A., now Ph.d running

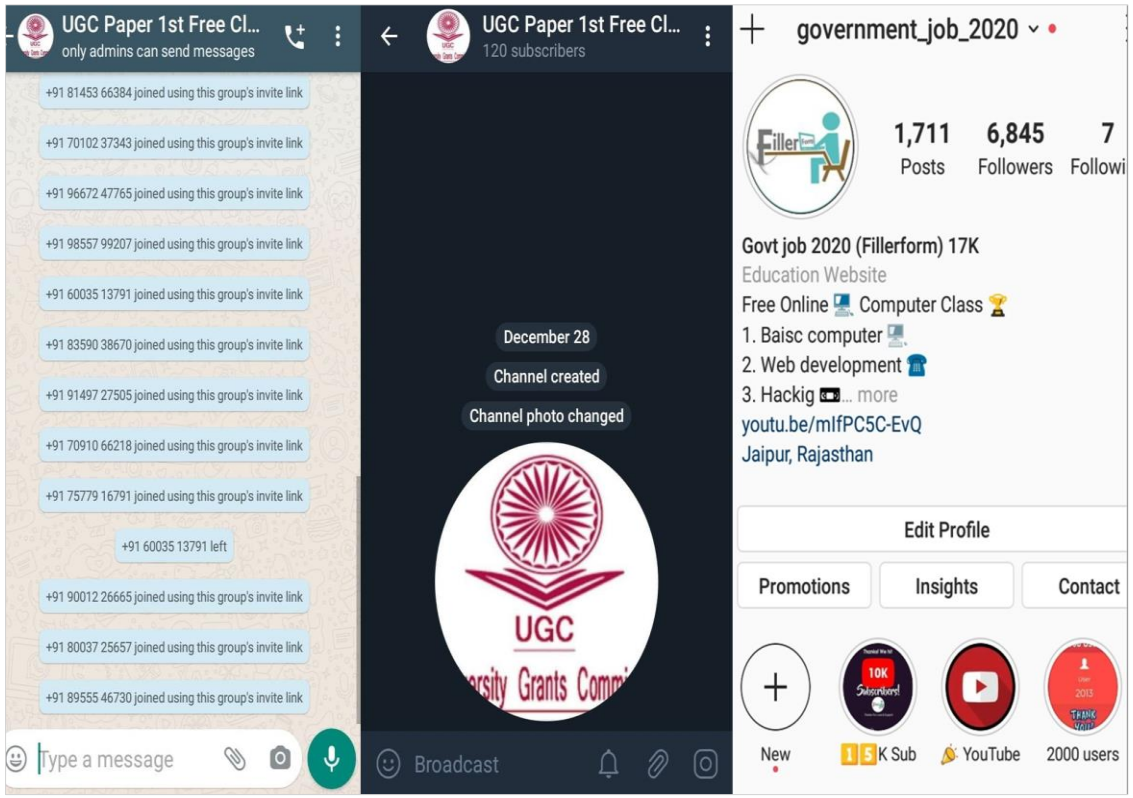
UGC Paper 1st Free Cl...
only admins can send messages
+91 81453 66384 joined using this group's invite link
+91 70102 37343 joined using this group's invite link
+91 96672 47765 joined using this group's invite link
+91 98557 99207 joined using this group's invite link
+91 60035 13791 joined using this group's invite link
+91 83590 38670 joined using this group's invite link
+91 91497 27505 joined using this group's invite link
+91 70910 66218 joined using this group's invite link
+91 75779 16791 joined using this group's invite link
+91 60035 13791 left
+91 90012 26665 joined using this group's invite link
+91 80037 25657 joined using this group's invite link
+91 89555 46730 joined using this group's invite link
Type a message
UGC Paper 1st Free Cl...
120 subscribers
December 28
Channel created
Channel photo changed
UGC
Broadcast
government_job_2020
1,711 Posts
6,845 Followers
7 Followi
Govt job 2020 (Fillerform) 17K
Education Website
Free Online Computer Class
1. Baisc computer
2. Web development
3. Hackig... more
youtu.be/mIfPC5C-EvQ
Jaipur, Rajasthan
Edit Profile
Promotions
Insights
Contact
New
19K Sub
YouTube
2000 users

Filler Form
LATEST UPLOADS
UGC NET Paper 1st
Teaching Aptitude
"Level of Teaching"
11:00 AM Level Of Teaching | Teaching
11:00 AM Level Of Teaching | Teaching Aptitude By Jitendra Goswami | NET
LEARNING MATERIAL
Quizzes
Notes
Sample Papers
UGC NET 100%
Off Free Class
Free Notes
Live Class
100% OFF
5000+MCQ+PYQ
Free Books
fillerform

UGC Paper 1st Free Cl...
only admins can send messages

+91 81453 66384 joined using this group's invite link

+91 70102 37343 joined using this group's invite link

+91 96672 47765 joined using this group's invite link

+91 98557 99207 joined using this group's invite link

+91 60035 13791 joined using this group's invite link

+91 83590 38670 joined using this group's invite link

+91 91497 27505 joined using this group's invite link

+91 70910 66218 joined using this group's invite link

+91 75779 16791 joined using this group's invite link

+91 60035 13791 left

+91 90012 26665 joined using this group's invite link

+91 80037 25657 joined using this group's invite link

+91 89555 46730 joined using this group's invite link

Type a message

UGC Paper 1st Free Cl...
120 subscribers

December 28

Channel created

Channel photo changed

Broadcast

government_job_2020

1,711 Posts

6,845 Followers

7 Followi

Govt job 2020 (Fillerform) 17K

Education Website

Free Online Computer Class

1. Baisc computer

2. Web development

3. Hackig ... more

youtu.be/mIfPC5C-EvQ

Jaipur, Rajasthan

Edit Profile

Promotions | Insights | Contact

New

15K Sub

YouTube

2000 users

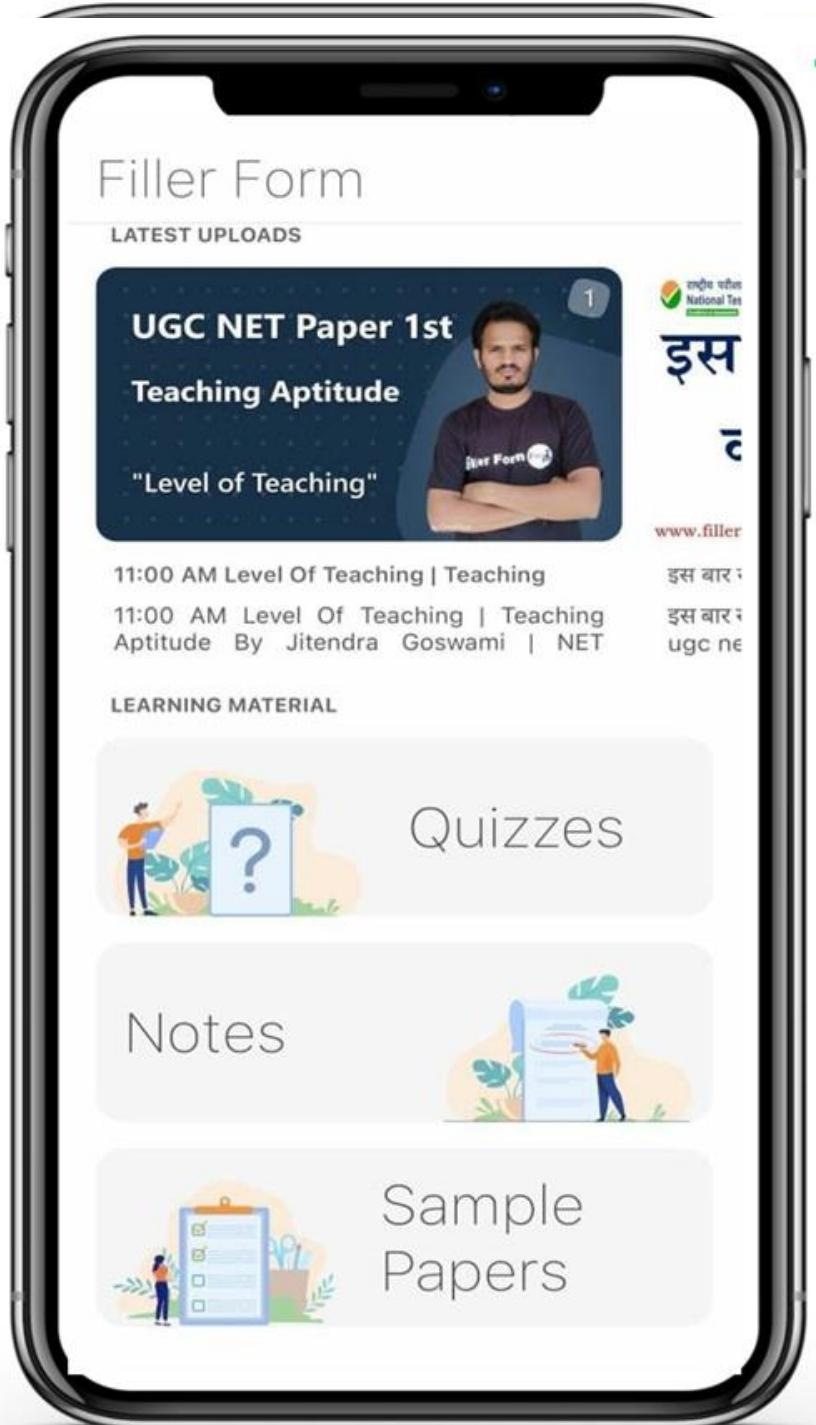

UGC NET 100% Off Free Class

Free Notes

Live Class

100% OFF

5000+MCQ+PYQ

Free Books

fillerform

Home work Answer.....

1. ' तर्कसङ्ग्रहानुसारं' कति पदार्थाः सन्ति -

(A)षोडश (B) सप्त

(C) षट् (D) दश

2. तर्कसङ्ग्रहानुसारं' विशेषाः सन्ति -

(A) नित्यद्रव्यवृत्तयः (B) अनित्यद्रव्यवृत्तयः

(C) द्रव्यवृत्तयः (D) गुणवृत्तयः

8209837844

www.ugc-net.com

Today's Topic...

द्रव्यणि

1-पृथिवी
2-आप
3-तेज
4-वायु
5-आकाशम्
6-काल
7-आत्मा
8-मन

8209837844 www.ugc-net.com

॥द्रव्याणि॥

पृथिवी-

तत्र गन्धवती पृथिवी । सा द्विविधानित्याऽनित्या च । **नित्या** परमाणुरूपा । **अनित्या** कार्यरूपा । **पुनस्त्रिविधा**- शरीर-इन्द्रिय-विषयभेदात् । **शरीरम्**- अस्मदादीनाम् । **इन्द्रियम्**- गन्धग्राहकं घ्राणम् । तच्च नासाग्रवर्ति । **विषयो**- मृत्पाषाणादिः ॥

अर्थ- नौ द्रव्यों में जो गन्धवाला द्रव्य है उसी का नाम पृथ्वी है । क्योंकि पृथ्वी को छोडकर अन्यत्र गन्ध नहीं है । वह पृथ्वी नित्य और अनित्य के भेद से दो प्रकार की है । नित्या- परमाणुरुपा अर्थात् जो परमाणुरुप पृथ्वी है वह नित्य है परन्तु कार्यरुप पृथ्वी अर्थात् जो स्थूल पृथ्वी है वह अनित्य है । पुनः पृथ्वी शरीर, इन्द्रिय और विषय के भेद से तीन प्रकार की है ।

8209837844 www.ugc-net.com

आपः-

'शीतस्पर्शवत्यः आपः' । ता द्विविधाः नित्या अनित्याश्च । **नित्याः** परमाणुरूपाः । **अनित्याः** कार्यरूपाः । **पुनस्त्रिविधा** शरीर-इन्द्रिय-विषयभेदात् । **शरीरम्-** वरुणलोके । **इन्द्रियम्**-रसग्राहकं रसनं जिह्वाग्रवर्ति । **विषयः-** सरित्समुद्रादिः ॥

अर्थ- नौ द्रव्यों से जो शीतस्पर्श वाला द्रव्य है उसी का नाम आप अर्थात् जल है । क्योंकि जल को छोडकर अन्यत्र शीतत्त्व नहीं है । वह जल नित्य और अनित्य के भेद से दो प्रकार की है । नित्या- परमाणुरुपा अर्थात् जो परमाणुरुप जल है वह नित्य है परन्तु कार्यरुप जल अर्थात् जो स्थूल जल है वह अनित्य है । पुनः जल शरीर, इन्द्रिय और विषय के भेद से तीन प्रकार की है ।

8209837844 www.ugc-net.com

तेजः-

'उष्णस्पर्शवत्तेजः' । तच्च द्विविधं नित्यमनित्यं च । **नित्यं** परमाणुरूपं । **अनित्यं** कार्यरूपं । **पुनस्त्रिविधम्-** शरीर-इन्द्रिय-विषयभेदात् । **शरीरम्-** आदित्यलोके प्रसिद्धम् । **इन्द्रियम्-** रूपग्राहकं चक्षुः कृष्णताराग्रवर्ति । **विषयश्चतुर्विधः** 1. भौम 2. दिव्यम् 3. औदर्यम् 4.आकरज भेदात् । **भौमं** वह्न्यादिकम् ।अबिन्धनं दिव्यं विद्युदादि । भुक्तस्य परिणामहेतुरौदर्यम् । **आकरजं** सुवर्णादि ।

8209837844 www.ugc-net.com

अर्थ- नौ द्रव्यों से जो उष्णस्पर्श वाला द्रव्य है उसी का नाम तेज है । क्योंकि तेज को छोडकर अन्यत्र उष्ण(गरम) नहीं है । वह तेज नित्य और अनित्य के भेद से दो प्रकार की है । नित्यम्- परमाणुरुप अर्थात् जो परमाणुरुप तेज है वह नित्य है परन्तु कार्यरुप तेज अर्थात् जो स्थूल तेज है वह अनित्य है । पुनः अनित्य तेज शरीर, इन्द्रिय और विषय के भेद से तीन प्रकार का है । शरीररुप तेज सूर्यलोक में रहता है । तैजस इन्द्रिय वह है जो रुप को ग्रहण करता है और नेत्र के काले तारे (पुतली) के अग्रभाग में रहता है । तैजस विषय भौम, दिव्यम्, ऊदर्य और आकरज के भेद से चार प्रकार का है। भौमतेज अग्नि आदि में रहता है। अबिन्धन तेज विद्युत आदि में होता है । खाये गये पदार्थ को पचाने में जो कारण है उसे ऊदर्यतेज कहते है और खान आदि से उत्पन्न सुवर्ण आदि को आकरज तेज कहते है ।

8209837844

www.ugc-net.com

वायुः-

'रूपरहितः स्पर्शवान्वायुः' । स द्विविधः नित्योऽनित्यश्च । नित्यः परमाणुरूपः । अनित्यः कार्यरूपः । **पुनस्त्रिविधः**-शरीर-इन्द्रिय-विषयभेदात् । **शरीरम्-** वायुलोके । **इन्द्रियम्-** स्पर्शग्राहकं त्वक्सर्वशरीरवर्ति । **विषयो-** वृक्षादिकम्पनहेतुः शरीरान्तःसंचारी वायुः प्राणः । स च एकोऽप्युपाधिभेदात्प्राणापानादिसंज्ञां लभते ॥

अर्थ- जिस द्रव्य में रुप नहीं है और स्पर्श है उस द्रव्य को वायु कहते है । क्योंकि वायु को छोडकर अन्यत्र स्पर्श नहीं है । वह वायु नित्य और अनित्य के भेद से दो प्रकार की है । नित्य- परमाणुरुप अर्थात् जो परमाणुरुप वायु है वह नित्य है परन्तु कार्यरुप वायु अनित्य है । पुनः वायु शरीर, इन्द्रिय और विषय के भेद से तीन प्रकार की है । वायु का शरीर वायु लोक में है । वायवीय इन्द्रिय वह है जो स्पर्श का बोध कराता है । वायु का विषय वृक्षादि के कम्पन का हेतु है । शरीर के भीतर रहने वाले वायु को प्राण कहते है वह एक ही है तथापि उपाधि के भेद से वह प्राण, अपान, समान, उदान और व्यान आदि नामों से जाना जाता है ।

8209837844 www.ugc-net.com

आकाशम्-

'शब्दगुणकमाकाशम्' । तच्चैकं विभुर्नित्यश्च ।

अर्थ- शब्द नामक गुण जिस द्रव्य का है उसे आकाश कहते है । वह केवल एक ही है विभु है और नित्य भी है ।

8209837844 www.ugc-net.com

कालः-

'अतीतादिव्यवहारहेतुः कालः' । स चैको विभुर्नित्यश्च ।

अर्थ- भूत, वर्तमान और भविष्यत् आदि व्यवहार का जो कारण है उसे काल कहते है। वह केवल एक ही है विभु है और नित्य भी है ।

दिक्- प्राच्यादिव्यवहारहेतुर्दिक् । सा चैका विभ्वी नित्या च ।

अर्थ- प्राची- पूर्व आदि का जो कारण है उसे दिक् कहते है । वह केवल एक ही है विभु है और नित्य भी है ।

8209837844 www.ugc-net.com

आत्मा-

'ज्ञानाधिकरणमात्मा' । स द्विविधः परमात्मा जीवात्मा च । तत्रेश्वरः सर्वज्ञः परमात्मैक एव । जीवात्मा प्रतिशरीरं भिन्नो विभुर्नित्यश्च ।

अर्थ- ज्ञान के आश्रय को आत्मा कहते है । वह आत्मा जीवात्मा, परमात्मा के भेद से दो प्रकार का है । उसमें परमात्मा ईश्वरः सर्वसमर्थ और सर्वज्ञः एवं वह एकमात्र है । जीवात्मा तो प्रत्येक शरीर में रहने वाला भिन्न-भिन्न है, विभु तथा नित्य भी है ॥

8209837844 www.ugc-net.com

मनः-

'सुखाद्युपलब्धिसाधनमिन्द्रियं मनः' । तच्च प्रत्यात्मनियतत्वादनन्तं परमाणुरूपं नित्यं च ।

अर्थ- सुख, दुःख आदि की प्राप्ति के साधन इन्द्रिय को मन कहते है । वह प्रत्येक आत्मा में निश्चित् रुप से विद्यमान होने के कारण अनन्त है परमाणु रुप में है और नित्य भी है ।

Next Topic…..

||- गुण: -||

Home work Question....

3. तर्कसङ्ग्रहानुसारं' कति गुणाः सन्ति -

(A) सप्तदश (B) अष्टचत्वारिंशत्

(C) चतुर्विंशतिः (D) दश

4. उत्क्षेपणं' कस्य प्रकारः -

(A) गमनस्य (B) भ्रमणस्य

(C) कर्मणः (D) करणस्य

FEEDBACK

- आपको ये क्लास कैसा लगा ??

📝Comment box में अपना comment कर के Next Class में आपका solution पाए 📑 📝

For More Information….

www.ugc-net.com

/Fillerform

/Fillerform

/Fillerform

info@fillerform.com

8209837844

THANK YOU